Reliability से तात्पर्य इस बात से होता है कि बार बार मापन से व्यक्ति का प्राप्तांक में कोई change नहीं आता है। जैसे. यदि कोई बुद्धि परीक्षण एक ही व्यक्ति पर क्रियान्वयन करने पर एक समय में उच्च प्राप्तांक तथा दूसरे समय में निम्न प्राप्तांक देता है तो ऐसे परीक्षण विश्वसनीय नहीं माना जायेगा।

Validity से तात्पर्य इस बात से होता है कि परीक्षण वही माप रहा है जिसे मापने के लिए उसे बनाया गया है। माना कि एक Pen तभी तक valid माना जाता है जब तक उससे लिखा जा रहा है। यदि पेन से नहीं लिखा जा रहा है तो वह Pen valid नहीं है।

बुद्धि परीक्षण से ही किसी का भी बुद्धि लब्धि मापा जा सकता है तभी विश्वसनीय एवं वैध हो सकता है। बुद्धि परीक्षण में किसी व्यक्ति का बुद्धि मापने में यदि किसी व्यक्ति का बुद्धि लब्धि 130 आता है तो मनोवैज्ञानिक उस व्यक्ति को तीव्र बुद्धि का समझते हैं वह विभिन्न परिस्थितियों में बुद्धिमत्ता व्यवहार कर सकता है।

(2) Prediction and control,

मनोविज्ञान का दूसरा लक्ष्य व्यवहार के बारे में पूर्वकथन करने से होता है ताकि उसे ठीक ढंग से नियंत्रित किया जा सके। इसमें सफलता मापन की सफलता पर निर्भर करता है। सामान्यतः मनोवैज्ञानिक गत व्यवहार के मापन के आधार पर ही यह पूर्वकथन करते हैं कि व्यक्ति अमुक परिस्थिति में क्या कर सकता है तथा कैसे कर सकता है।

कुछ मनोवैज्ञानिक मानव व्यवहार के बारे में prediction करने के लिए क्षमता aptitude के अलावा Interest का भी मापन करते हैं। व्यक्ति के Interest को मापकर मनोवैज्ञानिक यह पूर्वानुमान लगाते हैं कि व्यक्ति को किस तरह के कार्य में लगाना उत्तम होगा ताकि उसे अधिक से अधिक सफलता प्राप्त हो सके। पूर्वकथन एवं नियंत्रण साथ-साथ चलता है जैसे Psychotherapist रोगी के व्यवहार को नियंत्रित एवं परिवर्तित इसलिए करते हैं कि उनके बारे में सही पूर्वानुमान लगाया जा सके।

Scanned with CamScanner

(घ) **Explanation:** अधिकतर मनोविज्ञान के मानव व्यवहार की व्याख्या करना होता है। व्यवहार की व्याख्या करने के लिए मनोवैज्ञानिक भी कई सिद्धान्त का निर्माण करते हैं ताकि उनकी व्याख्या scientific system में की जा सके। ऐसे सिद्धान्त और नियमों से तथ्यों को संगठित करते हैं, कुछ मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मानव व्यवहार की व्याख्या करना मनोविज्ञान का सबसे उत्तम लक्ष्य है क्योंकि जबतक मनोवैज्ञानिक यह नहीं बतला पाते हैं कि अमुक व्यक्ति ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है अमुक मानव विशेष क्यों काम कर रहा है तो सही-सही न तो उस व्यवहार के बारे में पूर्वकथन ही कर सकते हैं और न ही उसका ठीक ढंग से नियंत्रण ही संभव है।

अतः स्पष्ट है कि मनोविज्ञान के तीन लक्ष्य हैं ये तीनों लक्ष्य एक दूसरे से सम्बन्धित हैं।